

प्रेषक,

सुनील श्री पांथरी,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेल निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग -2

देहरादून दिनांक 30 मार्च, 2013

विषय :- नवनिर्मित खेल निदेशालय भवन के फर्नीसिंग कार्यों हेतु धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या- 1584/खेनिर्मितखेल/2012-13 दिनांक 15 मार्च, 2013 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नवनिर्मित खेल निदेशालय भवन के फर्नीसिंग कार्यों हेतु परीक्षणोपरान्त संस्तुत कुल लागत ₹75.69 लाख (सिविल कार्यों हेतु ₹11.81 लाख तथा अधिप्राप्ति नियमावली के अनुसार कराये जाने वाले कार्यों हेतु ₹63.88 लाख) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए ₹10.00 लाख (रुदस लाख) मात्र की धनराशि वित्तीय वर्ष 2012-13 में आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- कार्यदायी संस्था के साथ वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008 दिनांक- 15.12.2008, शासनादेश संख्या-414/XXVII(7)/2007, दिनांक-23.10.2008 एवं शासनादेश संख्या-594/XXVII(7)/2010 दिनांक-09.06.2010 के अनुसार MOU हस्ताक्षरित कर समय सारिणी के अनुरूप उक्तानुसार समय से निर्माण कार्य पूर्ण कराये जायें। निर्माण कार्य का गहन अनुश्रवण भी सुनिश्चित किया जाय।
- 2- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 4- कार्य करने से पूर्व से समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टयों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।
- 5- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपर्युक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- 6- आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।



मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047 / XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाय।

8— कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व निर्माण कार्यों से इतर कार्यों/उपकरणों के सम्बन्ध में उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008 का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

9— कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि से मध्यनजर रखते हुये एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित किया जाय।

10— निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय। कार्य के गुणवत्तापरीक्षण के सम्बन्ध में नियोजन विभाग से समन्वय का तदनुसार गुणवत्ता सुनिश्चित की जायेगी तथा उक्त के सापेक्ष आने वाला व्यय भार कार्यदायी संस्था को देय सेन्टेज से वहन किया जायेगा।

11— उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-102-खेलकूद स्टेडियम-08- खेल निदेशालय की स्थापना-24 वृहत निर्माण कार्य मानक मद के आयोजनागत पक्ष के नामें डाला जायेगा।

12— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-389(P) / XXVII-3 / 2012-13 दिनांक-30 मार्च, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय

(सुनील श्री पांथरी)
उप सचिव

पुष्टांकन संख्या-199 (1) / VI-2 / 2013-2 (12) 2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, वैभव पैलेस, सी-1 / 105 इन्द्रिरा नगर, देहरादून।
2. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
3. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. परियोजना प्रबन्धक, पेयजल निर्माण निगम, देहरादून।
6. एन0आई0सी0 देहरादून।
7. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सुनील श्री पांथरी)
उप सचिव